भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या †1384

जिसका उत्तर सोमवार, 9 फरवरी, 2026/20 माघ, 1947 (शक) को दिया गया

शहरी सहकारी बैंकों का छत्रक संगठन

†1384. डॉ. भोला सिंहः

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) शहरी सहकारी बैंकों का छत्रक संगठन इस क्षेत्र द्वारा सामना की जा रही कठिनाइयों का समाधान करने में किस प्रकार सहायक है;

(ख) इस संदर्भ में उक्त छत्रक संगठन द्वारा की जाने वाली कौन-कौन सी गतिविधियाँ शामिल हैं; और

(ग) अब तक उक्त छत्रक संगठन की स्थापना के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख): शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के लिए अम्ब्रेला संगठन (यूओ) अर्थात राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड (एनयूसीएफडीसी) की स्थापना निधि और गैर-निधि आधारित सेवाओं दोनों के प्रावधान के माध्यम से शहरी सहकारी बैंकों के समक्ष आने वाली संरचनात्मक और प्रचालनात्मक चुनौतियों का समाधान करने के लिए की गई है। आईटी अवसंरचना, साइबर सुरक्षा, अनुपालन संबंधी निगरानी, प्रशिक्षण, जोखिम प्रबंधन आदि जैसे उच्च-लागत और अनुपालन-प्रधान संबंधी कार्यों को केंद्रीकृत करके, यूओ अपने सदस्य यूसीबी को अपने पूंजी निवेश को कम करने और बड़े पैमाने पर किफ़ायतों को प्राप्त करने में मदद करता है। यूओ द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रमुख सेवाओं में अन्य बातों के साथ-साथ पूंजी/चलनिधि सहायता, ऋण और अग्रिम, पुनर्वित्त सुविधा, आईटी अवसंरचना, निधि प्रबंधन, परामर्श सेवाएं, क्षमता निर्माण, अनुसंधान और विकास आदि शामिल हैं।

(ग): भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यूओ (एनयूसीएफडीसी) को 8 फरवरी, 2024 को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में पंजीकरण का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया था और एनयूसीएफडीसी ने यूसीबी से 300 करोड़ रुपये की न्यूनतम विनियामक पूंजी सफलतापूर्वक जुटा ली है। एनयूसीएफडीसी ने अपना पंजीकृत कार्यालय नई दिल्ली में और कॉर्पोरेट कार्यालय मुंबई में स्थापित किया है। यूओ ने अपने सदस्य यूसीबी को साइबर बीमा, कानूनी सलाह, जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा सेवाएं आदि जैसी कुछ गैर-निधि-आधारित सेवाएं प्रदान करना आरंभ कर दिया है।

*****